A–0188

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–604

M.A. Sanskrit (MASL)

(नाटक एवं नाटिका भाग-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मृच्छकटिकम् के लेखक शूद्रक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

2. मृच्छकटिकम् के नायक चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. दरिद्रता के युक्त मानव जीवन की विवेचना कीजिए।

4. मृच्छकटिकम् के द्वितीय अंक का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. विदूषक एवं चारुदत्त के संवादों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्य शब्द का अर्थ बताते हुए उद्भव सम्बन्धी भारतीय मत को स्पष्ट कीजिए।

2. पर्यङ्कग्रन्थि बन्धद्विगुणित भुजगाश्लेष संवीत जानो–

रन्तः प्राणावरोधव्युपरत सकल ज्ञानरूद्धेन्द्रियस्य।

आत्मन्यात्मानमेव व्यपगत करणं पश्य तस्तत्त्व दृष्ट्या

शम्भोर्वःपातुशून्ये क्षणघटितलय ब्रह्मलग्नः समाधिः॥

श्लोक की सप्रसंग व्याख्या लिखिए।

3. शूद्रक की नाट्य कला का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

4. दारिद्र्यात्पुरुषस्य बान्धवजनो वाक्ये न संतिष्ठते,

सुस्निग्धा विमुखीभवन्ति सुहृदः स्फारीभवन्त्यापदः।

सत्त्वं ह्रासमुपैति शीलशशिनः कान्तिः परिम्लायते,

पापं कर्म च यत्परैरपि कृतं तत्तस्य सम्भाव्यतो॥

श्लोक की व्याख्या कीजिए।

5. वसन्तसेना के चरित्र का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

6. मृच्छकटिकम् के चतुर्थ अंक का सार अपने शब्दों में लिखिए।

7. उत्कण्ठितस्य हृदयानुगुणावस्या,

संकेतते चिरयति प्रवरो विनोदः

संस्थापना प्रियतमा विरहातुराणां,

रक्तस्य रागपरिवृद्धिकरः प्रमोदः॥

श्लोक का सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

8. मृच्छकटिकम् में वर्णित समाज की राजनीतिक अवस्था के विषय में एक लेख लिखिए।

****